INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान CET

Graduation Level

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग

भाग - 2

राजस्थान का भूगोल + राजव्यवस्था + अर्थव्यवस्था

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**राजस्थान CET (स्नातक स्तर)** को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर (RSSB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"राजस्थान CET (स्नातक स्तर)" की** परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें **/***

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/29dvxg

Online Order करें - https://rb.gy/8kw806

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	राजस्थान का भूगोल	
1.	सामान्य परिचय	1
2.	जलवायु दशाएं, मानसून तंत्र एवं जलवायु प्रदेश	27
3.	अपवाह तंत्र, झीलें, सागर, बाँध	36
4.	प्राकृतिक वनस्पति, वन्य जीव – जन्तु एवं अभ्यारण्य	58
5.	मृदाएं	66
6.	रबी एवं खरीफ की प्रमुख फसलें	70
7.	जनसंख्या – वृद्धि, घनत्व, साक्षरता एवं लिंगानुपात	77
8.	प्रमुख जनजातियाँ	86
9.	धात्विक एवं आधात्विक खनिज पदार्थ	89
10.	ऊर्जा संसाधन – परम्परागत एवं गैर परम्परागत राजस्थान में ऊर्जा विकास	97
11.	पर्यटन स्थल	105
12.	यातायत के साधन – राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल एवं वायुयान	109
13.	राजस्थान में पशुधन	117
	राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था	
1.	राज्यपाल	126
2.	मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद	133
3.	राज्य विधानसभा	140
4.	उच्च न्यायालय	149
5.	राजस्थान लोक सेवा आयोग	155
6.	जिला परशासन	158
7.	राज्य मानवाधिकार आयोग	162
3.	लोकायुक्त	165
4.	राज्य निर्वाचन आयोग	168
5.	राज्य सूचना आयोग	170

	राजस्थान की अर्थव्यवस्था	
1.	राजस्थान की खाद्य व व्यावसायिक फसलें एवं कृषि आधारित उद्योग	174
2.	अर्थव्यवस्था का वृहत् परिदृश्य	179
3.	सिंचाई एवं परियोजना	183
4.	राजस्थान में औद्योगिक विकास	183
5.	गरीबी एवं बेरोजगारी	191

राजस्थान का भूगोल

अध्याय – I

सामान्य परिचय

राजस्थान की स्थितिः- प्रिय छात्रों, राजस्थान की स्थिति को हम सर्वप्रथम पृथ्वी पर तत्पश्चात एशिया में और फिर भारत में देखेंगे।

(I) राजस्थान की स्थिति "पृथ्वी" पर:- पृथ्वी पर राजस्थान की स्थिति को समझने से पहले निम्नलिखित अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को समझना होगा –

(क) अंगारा लैंड / यूरेशियल प्लेट

(ख) गोंडवाना लैंड प्लेट

(ग) टेथिस सागर

(घ) पेंजिया

(ड) पेंथालासा

नोटः- प्रिय छात्रों, कृपया ध्यान दें कि – आज से लाखों करोड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी दो भागों में विभाजित थी।

1. स्थल

2. जल

- जैसा कि आज भी दिखाई देता है, लेकिन वर्तमान में यदि हम स्थल मंडल को देखें तो हमें यह कई भागों में विभाजित दिखाई देता है, जैसे सात महाद्वीप अलग - अलग हैं।
- उनके भी कई देश एक - दूसरे से काफी अलग अलग हैं। लेकिन लाखों – करोड़ों वर्ष पूर्व संपूर्ण स्थलमंडल सिर्फ एक ही था।
- इसी **स्थलीय क्षेत्र को "पेंजिया"** के नाम से जानते थे तथा शेष बचे हुए भाग को **(जल वाले क्षेत्र को) "पेंथालासा"** के नाम से जानते थे।
- नीचे दिए गए मानचित्र से समझने की कोशिश कीजिए-

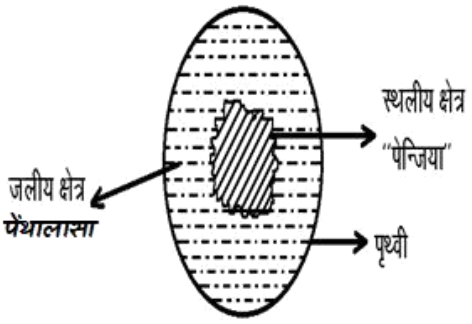

प्रिय छात्रों, पृथ्वी परिक्रमण एवं परिभ्रमण गति करती है अर्थात् अपने स्थान पर भी (1 दिन में) घूमती है, और सूर्य का चक्कर भी लगाती है। पृथ्वी की इस गति की वजह से स्थल मंडल की प्लेटों में हलचल होने की वजह से पेंजिया (स्थलीय क्षेत्र) दो भागों में विभाजित हो गया जिसके उत्तरी भाग में उत्तरी अमेरिका, यूरोप और उत्तरी एशिया का निर्माण हुआ। इस **स्थलीय क्षेत्र को "अंगारा लैंड / यूरेशियन प्लेट"** के नाम से जानते हैं।

इसके दूसरे भाग (दक्षिणी) में दक्षिणी अमेरिका, दक्षिणी एशिया, अफ्रीका तथा अंटार्कटिका का निर्माण हुआ, इस क्षेत्र को **"गोंडवाना लैंड"** 'प्लेट' के नाम से जानते हैं।

- दोनों प्लेटों के बीच में विशाल सागर था जिसे "टेथिस सागर" के नाम से जानते थे।
- इसको नीचे दिए गए मानचित्र की सहायता से समझते हैं-

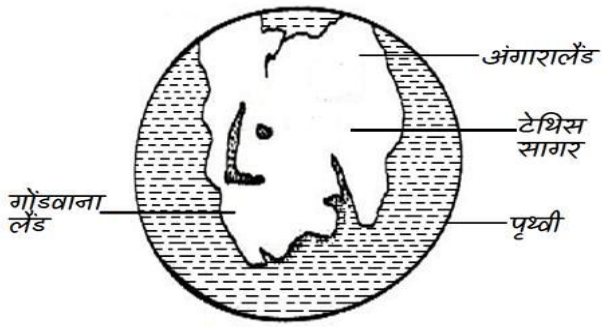

विशेष नोटः- राजस्थान का पश्चिमी रेगिस्तान तथा रेगिस्तान में स्थित खारे पानी की झीलें "टेथिस सागर" के अवशेष हैं तथा राजस्थान का मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्र (अरावली पर्वतमाला) एवं दक्षिण पूर्वी पठारी भाग "गोंडवाना लैंड" प्लेट के हिस्से हैं।

टेथिस सागर- टेथिस सागर को गोंडवाना लैंड प्लेट और यूरेशियन प्लेट के मध्य स्थित एक सागर के रूप में कल्पित किया जाता है जो कि एक छिछला और संकरा सागर था, और इसी में जमा अवसादों के प्लेट विवर्तनिकी के परिणाम स्वरुप अफ्रीकी और भारतीय प्लेटों के यूरेशियन प्लेट के टकराने के कारण हिमालय और आल्प्स जैसे महान पहाड़ों की रचना हुई है।

प्रिय छात्रों, अब तक हम अंगारा लैंड, गोंडवाना लैंड, टेथिस सागर, पेंजिया तथा पेंथाल्सा का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर चुके हैं। अब हम **पृथ्वी पर राजस्थान की** स्थिति, का अध्ययन करते हैं। नीचे दिए गए मानचित्रों को ध्यान से समझिए-

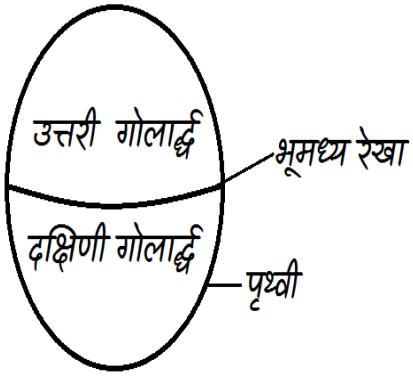

मानचित्र – I

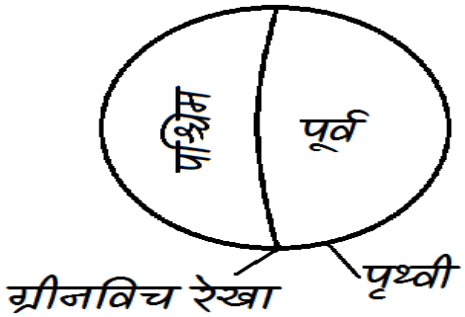

मानचित्र – 2

प्रिय छात्रों ऊपर दिए गए मानचित्र के बारे में एक बार समझते हैं ।

- **पृथ्वी को भूमध्य रेखा** (विषुवत रेखा) से दो **भागों में** विभाजित किया गया है –

1. उत्तरी गोलार्द्ध
2. दक्षिणी गोलार्द्ध

इसे आप मानचित्र – 1 के माध्यम से समझ सकते हैं ।

इसी प्रकार ग्रीनविच रेखा पृथ्वी को दो भागों में बांटती है-

1. पूर्वी क्षेत्र
2. पश्चिमी क्षेत्र

जिसे आप मानचित्र – 2 में देख सकते हैं ।

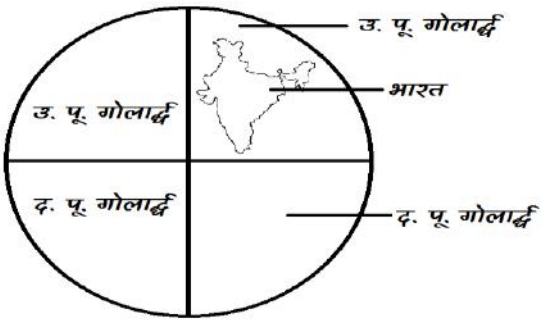

मानचित्र – 3

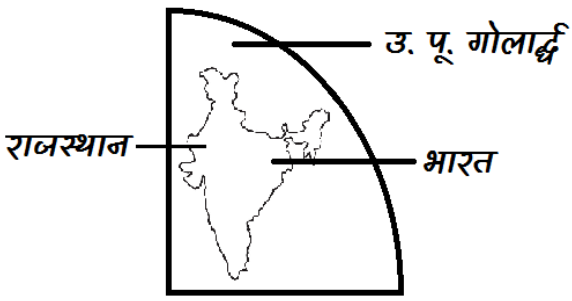

मानचित्र – 4

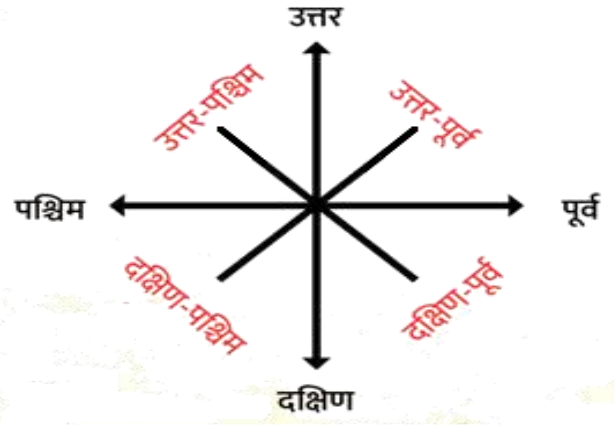

<u>नोट :-</u>

1. विश्व (अर्थात् **पृथ्वी पर**) में राजस्थान **"उत्तर - पूर्व"** दिशा में स्थित है। (देखे मानचित्र- 3)
2. एशिया महाद्वीप में राजस्थान **"दक्षिणी -पश्चिम"** दिशा में स्थित है। (देखिए मानचित्र – 3, 4)
3. **भारत में** राजस्थान **उत्तर - पश्चिम** में स्थित है। देखिए मानचित्र -4 (भारत)]

अब तक हमने देखा कि राजस्थान शब्द का उद्भव कैसे हुआ? तथा हम ने समझा कि पृथ्वी पर राजस्थान की स्थिति कहां पर है? अब हम अपने अगले बिंदु "राजस्थान का विस्तार" के बारे में पढ़ते हैं-

<u>राजस्थान का विस्तार –</u> इसका अध्ययन करने से पहले इससे जुड़े हुए कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को समझिए-

1. भूमध्य रेखा (विषुवत रेखा)
2. कर्क रेखा
3. मकर रेखा
4. अक्षांश
5. देशांतर

इन मानचित्र को ध्यान से समझिए-

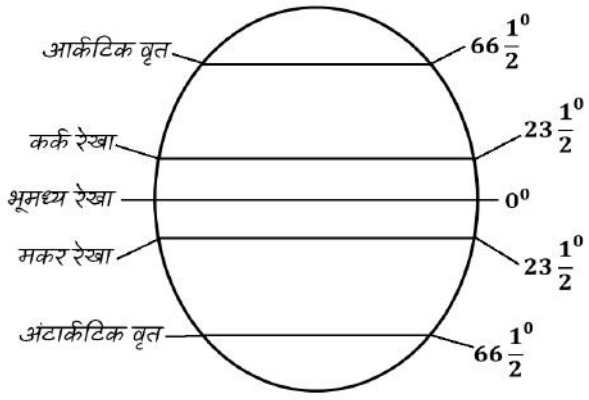

मानचित्र – 1

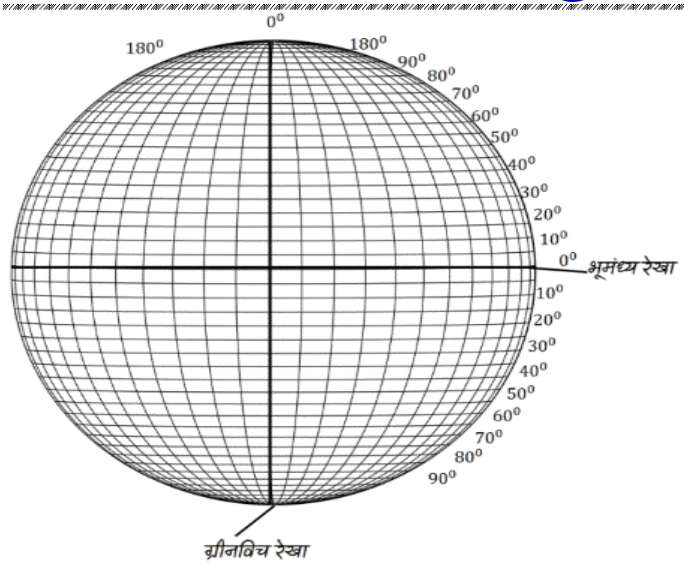

मानचित्र – 2

नोट - भूमध्य रेखा :- "विषुवत रेखा या भूमध्य रेखा" पृथ्वी की सतह पर उत्तरी ध्रुव एवं दक्षिणी ध्रुव से समान दूरी पर स्थित एक काल्पनिक रेखा है। यह पृथ्वी को दो गोलार्द्धों, उत्तरी व दक्षिणी में विभाजित करती है।

इस रेखा पर प्रायः वर्ष भर दिन और रात की अवधि बराबर होती, यही कारण है कि इसे **विषुवत रेखा या भूमध्य रेखा** कहा जाता है।

विषुवत रेखा के उत्तर में कर्क रेखा है व दक्षिण में मकर रेखा है।

नोट :- पृथ्वी या ग्लोब को दो काल्पनिक रेखाओं द्वारा "उत्तर - दक्षिण तथा पूर्व - पश्चिम"में विभाजित किया गया है। इन्हें अक्षांश व देशांतर रेखाओं के नाम से जानते है।

अक्षांश रेखाएँ - वह रेखाएं जो ग्लोब पर पश्चिम से पूर्व की ओर बनी हुई है, अर्थात् भूमध्य रेखा से किसी भी स्थान की उत्तरी अथवा दक्षिणी ध्रुव की ओर की कोणीय दूरी को अक्षांश रेखा कहते है। **भूमध्य रेखा को अक्षांश रेखा** माना गया है। (देखें मानचित्र -1)

ग्लोब पर कुछ अक्षांशों की संख्या (90° उत्तरी गोलार्द्ध में और 90° दक्षिणी गोलार्द्ध में) कुल 180° है तथा अक्षांश रेखा को शामिल करने पर इनकी संख्या 181° होती है।

देशांतर रेखाएं- उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव को मिलाने वाली 360° रेखाओं को देशांतर रेखाएँ कहा जाता है।

पृथ्वी के उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुव को मिलाने वाली और उत्तर - दक्षिण दिशा में खींची गयी। **काल्पनिक रेखाओं को याम्योत्तर, देशान्तर, मध्यान्तर रेखाएं कहते हैं।**

- ग्रीनविच, (जहाँ ब्रिटिश राजकीय वेंधशाला स्थित है) से गुजरने वाली याम्योत्तर से पूर्व और पश्चिम की ओर गिनती शुरू की जाए। इस यामोत्तर को प्रमुख यामोत्तर कहते है।
- इसका मान देशांतर है तथा यहाँ से हम 180° डिग्री पूर्व या 180° डिग्री पश्चिम तक गणना करते है।

नोट –उपर्युक्त विषय को अधिक विस्तार से समझने के लिए हमारी अन्य पुस्तक ''भारत एवं विश्व का भूगोल पढ़े"।

राजस्थान का **अक्षांशीय विस्तार 23°03" से 30°12" उत्तरी अक्षांश** ही तक है जिसका **अंतर 7°09 मिनट** है। जबकि राजस्थान का **देशांतरीय विस्तार 69°30" से 78°17" पूर्वी देशांतर** है। जिसका अंतर **8°47 मिनट है।** (देखें मानचित्र A, B)

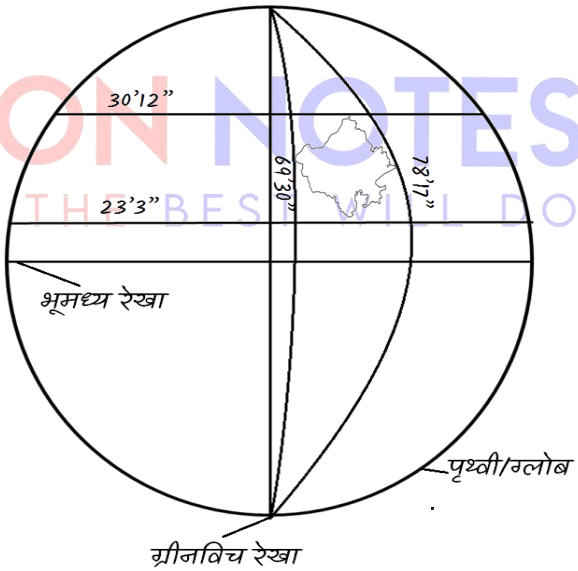

(मानचित्र-A)

नोट- राजस्थान का कुल अक्षांशीय विस्तार **7°9"(30°12"- 23°03")** है तथा कुल देशांतरीय विस्तार **8°47" (78°17" - 69°30")** है।

1° = 4 मिनट

1" = 111.4 किलोमीटर होता है।

- राजस्थान का कुल **क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर** है जो कि संपूर्ण भारत का **10.41%** है।
- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किलोमीटर है।

जैसे समय बढ़ता है वैसे - वैसे सूर्य का सीधा प्रकाश कर्क

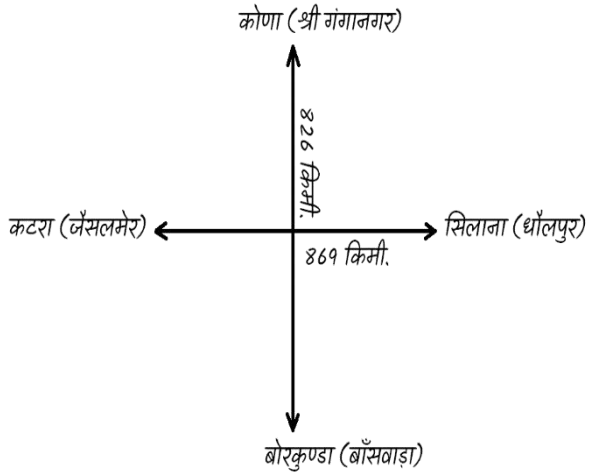

रेखा की ओर बढ़ता है।

अर्थात् सूर्य की सीधी किरणें कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच में पड़ती है इस क्षेत्र को **उष्णकटिबंधीय क्षेत्र कहते** हैं। ध्रुवों पर सूर्य की किरणें ना पहुंचने के कारण वहाँ वर्ष भर बर्फ पाई जाती है।

पूर्वी देशांतरीय भाग सूर्य के सबसे पहले सामने आता है, इस कारण **सर्वप्रथम सूर्योदय व सूर्यास्त राजस्थान के पूर्वी भाग धौलपुर** में होता है, जब कि सबसे पश्चिमी जिला जैसलमेर है। अतः जैसलमेर में सबसे अंत में सूर्योदय व सूर्यास्त होता है।

विस्तार :-

- राजस्थान राज्य की **उत्तर से दक्षिण** तक की **कुल लंबाई 826 किलोमीटर** है तथा इसका विस्तार उत्तर में श्रीगंगानगर जिले के कोणा गाँव से दक्षिण में बाँसवाड़ा जिले की कुशलगढ़ तहसील के बोरकुंड गाँव तक है।
- इसी प्रकार **पूर्व से पश्चिम तक** की **चौड़ाई 869 किलोमीटर** है तथा विस्तार पूर्व में धौलपुर जिले के जगमोहनपुरा की ढाणी, सिलाना गाँव, राजाखेड़ा तहसील से पश्चिम में जैसलमेर जिले के कटरा गाँव (सम-तहसील) तक है।

आकृति

विषम कोणीय चतुर्भुज या **पतंग** के आकार के समान है।

राज्य की स्थलीय सीमा 5920 किलोमीटर (1070 अंतर्राष्ट्रीय व 4850 अंतर्राज्यीय) है।

रेडक्लिफ रेखा

- रेडक्लिफ रेखा भारत और पाकिस्तान के मध्य स्थित है। इसके संस्थापक सर सिरिल एम रेडक्लिफ को माना जाता है।
- रेडक्लिफ रेखा 17 अगस्त 1947 को भारत विभाजन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा बन गई।
- इसकी भारत के साथ कुल सीमा 3310 किलोमीटर है।

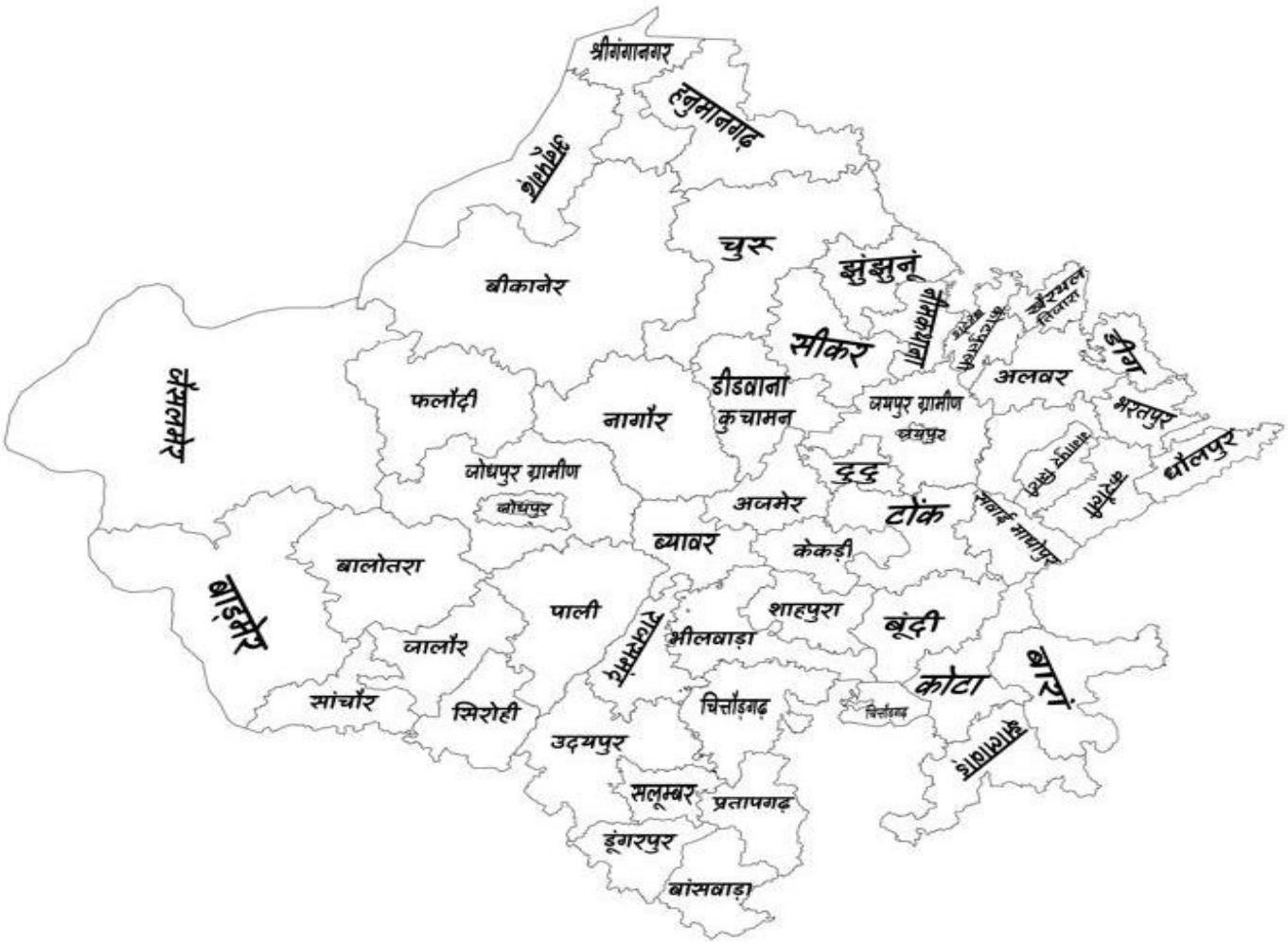

रेडक्लिफ रेखा पर भारत के चार राज्य स्थित हैं।

1. जम्मू-कश्मीर (1216 कि.मी.)
2. पंजाब (547 कि.मी.)
3. राजस्थान (1070 कि.मी.)
4. गुजरात (512 कि.मी.)

- रेडक्लिफ रेखा के साथ **राजस्थान की सर्वाधिक सीमा - (1070 कि.मी.)**
- रेडक्लिफ रेखा के साथ **सबसे कम सीमा- गुजरात (512 कि.मी.)**
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक नजदीक राजधानी मुख्यालय - श्रीनगर
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक दूर राजधानी मुख्यालय - जयपुर
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में बड़ा राज्य - राजस्थान
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में सबसे छोटा राज्य - पंजाब
- रेडक्लिफ रेखा के साथ राजस्थान की कुल सीमा **1070 कि.मी.** है। जो **राजस्थान के पाँच जिलों** से लगती है।
  1. श्रीगंगानगर
  2. अनूपगढ़
  3. बीकानेर.
  4. जैसलमेर- 464 कि.मी.
  5. बाड़मेर- 228 कि.मी.

- रेडक्लिफ रेखा राज्य में उत्तर में श्रीगंगानगर के **हिन्दूमल कोट** से लेकर दक्षिण - पश्चिम में बाड़मेर के बाखासर गाँव, सेडवा तहसील तक विस्तृत है।
- रेडक्लिफ रेखा पर पाकिस्तान के 9 जिले पंजाब प्रान्त का बहावलपुर, बहावल नगर व रहीमयारखान तथा सिंध प्रान्त के घोटकी, सुक्कुर, खैरपुर, संघर, उमरकोट व थारपाकर राजस्थान से सीमा बनाती हैं।

  राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा – बहावलपुर

  राजस्थान के साथ न्यूनतम सीमा- खैरपुर

  पाकिस्तान के दो प्रांत राजस्थान की सीमा को छूते हैं।

  1. पंजाब प्रांत
  2. सिंध प्रांत
- रेडक्लिफ रेखा एक कृत्रिम रेखा है।
- राजस्थान की रेडक्लिफ रेखा से सर्वाधिक सीमा जैसलमेर (464 कि.मी.) की लगती है।
- रेडक्लिफ के नजदीक जिला मुख्यालय –अनूपगढ़
- रेडक्लिफ के सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय - बीकानेर
- रेडक्लिफ रेखा पर सबसे बड़ा जिला - जैसलमेर
- रेडक्लिफ रेखा पर सबसे छोटा जिला – श्रीगंगानगर

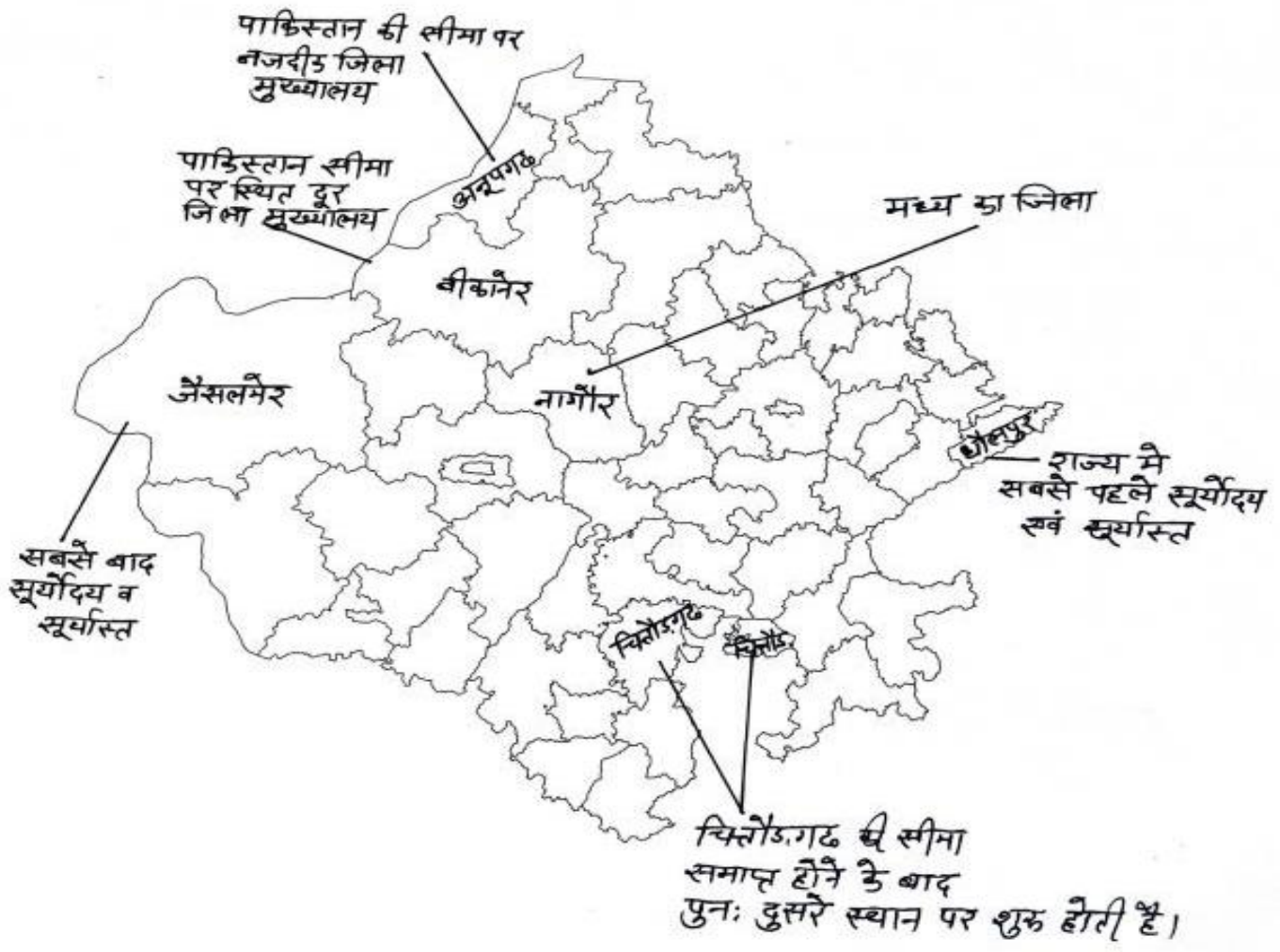

- केकड़ी जिले में 5 उपखंड शामिल किए गए हैं। इनमें केकड़ी, सावर, भिनाय, सरवाड़ और टोडारायसिंह शामिल हैं।

सलूम्बर :-

जिला मुख्यालय - सलूम्बर

- उदयपुर जिले का पुनर्गठन करके नए जिले सलूम्बर का गठन किया गया है।
- सलूंबर जिले में 4 उपखंड (सराडा, सेमारी, लसाडिया और सलूम्बर) शामिल किए गए हैं।

शाहपुरा :-

जिला मुख्यालय - शाहपुरा

- भीलवाड़ा जिले का पुनर्गठन करके नया जिला शाहपुरा बनाया गया है।
- शाहपुरा जिले में 6 उपखंड (शाहपुरा, जहाजपुर, फूलियाकलां, बनेड़ा और कोटडी) शामिल किए गए हैं।

सांचौर :-

- जिला मुख्यालय – सांचौर
- जालौर जिले का पुनर्गठन करके नए जिले सांचौर का गठन किया गया है।
- सांचौर जिले में 4 उपखंड (सांचौर, बागोड़ा, चितलवाना और रानीवाड़ा) शामिल किए गए हैं।

राजस्थान के संभाग

- 30 मार्च 1949 को राजस्थान में संभागीय व्यवस्था की शुरुआत हुई थी।
- शुरुआत में राजस्थान में 5 संभाग (जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर) थे।
- 24 अप्रैल 1962 को संभागीय व्यवस्था को तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाडिया ने बंद कर दिया।
- संभागीय व्यवस्था की पुनः शुरुआत 26 जनवरी 1987 को तत्कालीन मुख्यमंत्री हरिदेव जोशी नें की तथा अजमेर को जयपुर से अलग कर छठा संभाग बनाया।
- 4 जून 2005 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे नें भरतपुर को सातवाँ संभाग बनाया।
- 7 अगस्त 2023 को रामलुभाया कमेटी की सिफारिश पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा सीकर, पाली और बांसवाड़ा 3 नये संभाग व 19 नये जिले बनाये गये।
- 3 नवगठित व 7 पुराने संभागों को मिलाकर राजस्थान में कुल 10 संभाग हो गये हैं।

राजस्थान के 10 संभागो के नाम निम्नलिखित हैं-

1. अजमेर	2. उदयपुर
3. कोटा	4. जयपुर
5. जोधपुर	6. पाली
7. बांसवाडा	8. बीकानेर
9. भरतपुर	10. सीकर

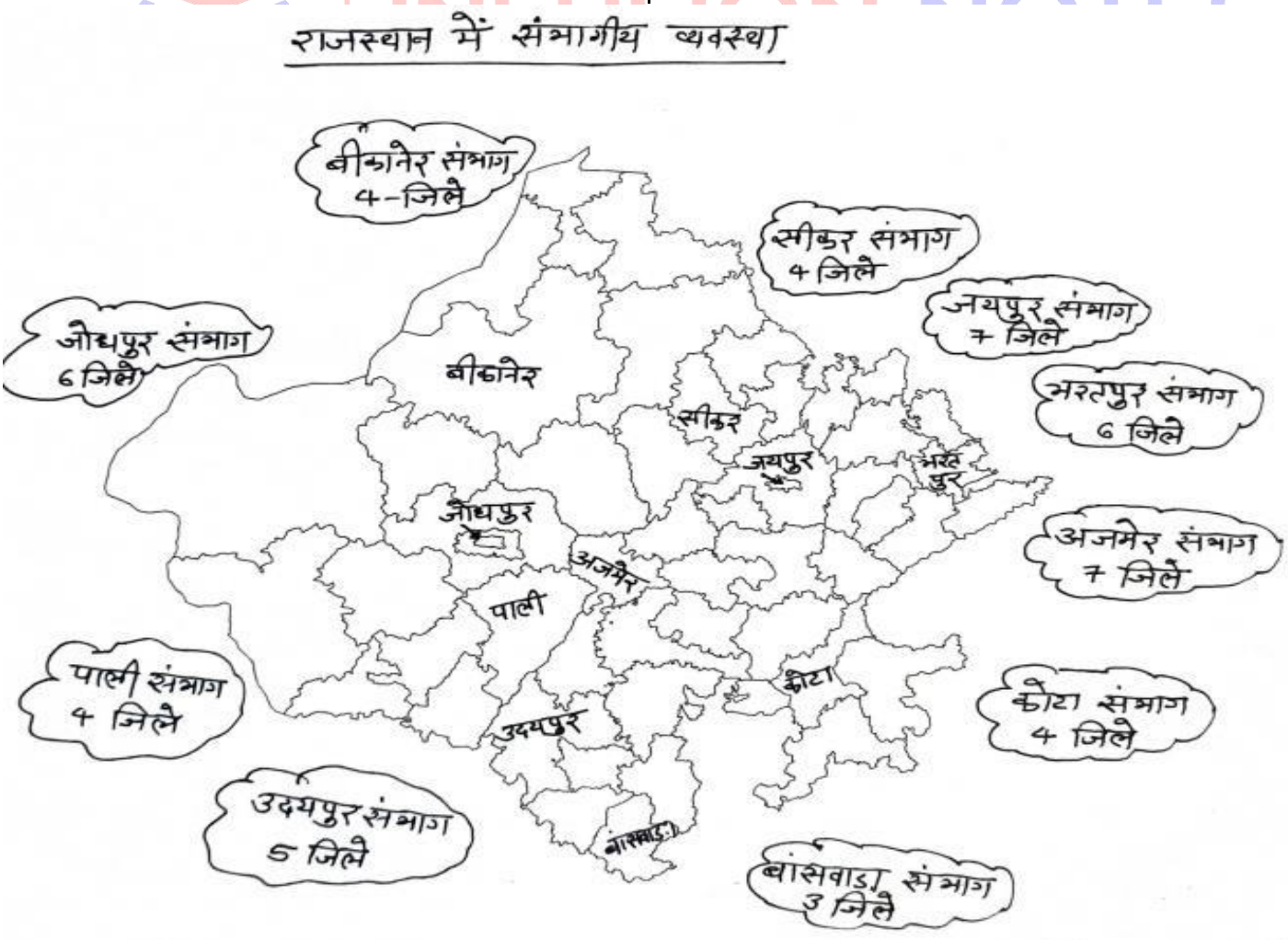

1. ***अजमेर संभाग*** – अजमेर संभाग में 7 जिले ब्यावर, शाहपुरा, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, केकड़ी, टोंक, नागौर आते हैं।
2. ***उदयपुर संभाग*** – उदयपुर संभाग में 5 जिले आते हैं- उदयपुर, भीलवाडा, चित्तौड़गढ़, सलुम्बर, राजसमन्द ।

   ट्रिक – उदय भील का ***चित्तौड़*** से ***सलुम्बर*** तक ***राज*** है।
3. ***कोटा संभाग-*** कोटा संभाग में 4 जिले (बारां, बूंदी, कोटा, झालावाड़) आते हैं।
4. ***जयपुर संभाग*** – जयपुर संभाग में 6 जिले (जयपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, दौसा, दूदू) आते हैं।
5. ***जोधपुर संभाग-*** जोधपुर संभाग में 6 जिले (जोधपुर / जोधपुर ग्रामीण, बाड़मेर, फलौदी, बालोतरा, जैसलमेर)
6. ***पाली संभाग*** – पाली संभाग में 4 जिले (पाली, जालौर, सांचौर, सिरोही) शामिल हैं।
7. ***बांसवाड़ा संभाग*** – बांसवाडा संभाग में 3 जिले (बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़) शामिल हैं।
8. ***बीकानेर संभाग*** – बीकानेर संभाग में 4 जिले (श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, अनूपगढ़, बीकानेर) शामिल हैं।
9. ***भरतपुर संभाग*** – भरतपुर संभाग में 6 जिले (भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी और डीग) शामिल हैं।
10. ***सीकर संभाग*** – सीकर संभाग में 4 जिले (झुंझुनू, सीकर, चुरू और नीमकाथाना) शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा

अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले संभाग – बीकानेर व जोधपुर

- सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाला संभाग - जोधपुर
- न्यूनतम अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाला संभाग - बीकानेर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा के नजदीक संभागीय मुख्यालय - बीकानेर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा से दूर संभागीय मुख्यालय -जोधपुर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा संभाग - जोधपुर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर क्षेत्रफल में छोटा संभाग-बीकानेर

राजस्थान के वे जिले जो अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय सीमा नहीं बनाते हैं।

22 जिले - (जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, बालोतरा, फलौदी, जालौर, पाली, राजसमन्द, शाहपुरा, केकड़ी, ब्यावर, अजमेर, टोंक, दौसा, बूंदी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, डीडवाना-कुचामन, सीकर, नागौर, सलुम्बर तथा गंगापुरसिटी)

अंतर्राज्यीय सीमा

- अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाले संभाग – 9
- केवल अंतरराज्यीय सीमा बनाने वाले संभाग – 7
- अंतर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय दोनों सीमा बनाने वाले संभाग -2 (बीकानेर व जोधपुर)
- ऐसा संभाग जो न तो अंतर्राष्ट्रीय व न ही अन्तर्राज्यीय सीमा बनाता है – 1 (अजमेर)
- सर्वाधिक अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाला संभाग - उदयपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा के नजदीक संभागीय मुख्यालय - भरतपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा से दूर संभागीय मुख्यालय - जोधपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा संभाग -जोधपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा पर क्षेत्रफल में छोटा संभाग – बांसवाड़ा संभाग
- दो बार अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाला संभाग -उदयपुर (चित्तौड़गढ़ के दो भाग)
- राजस्थान का मध्यवर्ती संभाग - अजमेर
- राजस्थान अपने ***वर्तमान स्वरूप। नवम्बर।1956*** को आया।
- वर्तमान में राजस्थान में 7 जिलों वाले 2 संभाग (जयपुर व अजमेर) हैं ।
- 6 जिलों वाले दो संभाग (भरतपुर व जोधपुर) हैं।
- 5 जिलों वाला एक संभाग उदयपुर है।
- 4 जिलों वाले 4 संभाग (बीकानेर, सीकर, कोटा और पाली) हैं।
- 3 जिलों वाला एक संभाग बांसवाड़ा संभाग है ।
- केवल एक संभाग की सीमा को स्पर्श करनें वाला संभाग – बांसवाड़ा
- राज्य के सर्वाधिक 8 संभागों की सीमा को स्पर्श करनें वाला संभाग – अजमेर
- तीन राज्यों की सीमा को स्पर्श करने वाला संभाग – भरतपुर संभाग
- सर्वाधिक नदियों वाला संभाग – कोटा संभाग
- सर्वधिक नदियो वाला जिला – उदयपुर
- सर्वाधिक वर्षा एवं आर्द्रता वाला संभाग – कोटा संभाग
- राजस्थान का पूर्वी संभाग – भरतपुर संभाग
- राजस्थान का पश्चिमी संभाग – जोधपुर संभाग

प्रदेश के जिलों के आधुनिक उपनाम

गंगानगर	फलों की टोकरी, राजस्थान का अन्नागार, बागानों की भूमि
बीकानेर	राती घाटी, ऊन का घर
जैसलमेर	स्वर्ण नगरी, राजस्थान का अंडमान, हवेलियों का शहर, झरोखों की नगरी, रेगिस्तान का गुलाब, येलो सिटी, गलियों का शहर, पंखों का नगर, म्यूजियम सिटी
जोधपुर	ब्लू सिटी / नीला शहर, सन सिटी / सूर्य नगरी, मरुस्थल का प्रवेश द्वार / सिंहद्वार, राजस्थान की विधि नगरी
बाड़मेर	राजस्थान की थार नगरी, राजस्थान का खजुराहो
भीलवाड़ा	राजस्थान का मेनचेस्टर, वस्त्र नगरी, ऊन ऑफ़ मिनरल, टेक्सटाइल सिटी

क्षेत्र है पठारी क्षेत्र का निर्माण लावा के द्वारा होता है। लाल मिट्टी करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर में पाई जाती है।

4. इस प्रदेश में मुख्य रूप से कपास, गन्ना, चावल, खट्टे रसदार फल, सब्जियाँ आदि का मुख्य रूप से उत्पादन होता है झालावाड़ में मौसमी / संतरा सर्वाधिक होता है

5. राजस्थान के इस क्षेत्र प्रदेश में **धात्विक एवं अधात्विक दोनों प्रकार के खनिज पाए** जाते हैं जैसे – कोटा में कोटा स्टोन, भीलवाड़ा में अभ्रक, टोंक में तांमडा (एक अधात्विक खनिज है) यहाँ मुख्य रूप से साल एवं सागवान, जामुन, बरगद आदि के वनस्पति के रूप में पाए जाते हैं। **बांस को आदिवासियों का "हरा सोना" कहा जाता है आदिवासियों का कल्पवृक्ष महुआ** को कहा जाता है।

6. इस क्षेत्र में **औसत वार्षिक वर्षा 80 सेमी॰ से 120 सेमी॰** तक होती है इस प्रदेश को दो भागों में बाँटा गया है

7. **महान सीमा भ्रंश –** अरावली पर्वतमाला के पूर्व में स्थित है जो कि विंध्याचल पर्वत श्रेणी को अरावली से अलग करता है।

राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक **"महान सीमा भ्रंश"** सतूर (बूंदी) में स्थित है।

महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है -
   A. हिमालय B. अरावली
   C. विंध्याचल D. सतपुड़ा
   उत्तर – B

2. निम्न में से सत्य कथन है -
   1. राजस्थान का पहला रोप वे भीनमाल (जालौर) में संचालित है।
   2. राजस्थान का दूसरा रोप वे उदयपुर में संचालित है।
   A. केवल (i)
   B. केवल (ii)
   C. (i) व (ii) दोनों
   D. न तो (i) न ही (ii)
   उत्तर – C

3. राजस्थान में महान सीमा भ्रंश कहा स्थित है?
   A. बूंदी व सवाई माधोपुर के मध्य
   B. कोटा व सवाई माधोपुर के मध्य
   C. झालावाड़ व कोटा के मध्य
   D. कोटा व बूंदी के मध्य
   उत्तर - A

4. राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार कौनसा है
   A. भोराट का पठार B. लसाड़िया का पठार
   C. उड़िया का पठार D. हाड़ौती का पठार
   उत्तर – C

5. घग्घर नदी के तल को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं?
   A. नदिया B. नाली
   C. नदी D. नहर
   उत्तर – B

6. जरगा पर्वत किस जिले में स्थित है?
   A. सिरोही B. उदयपुर
   C. अलवर D. अजमेर
   उत्तर – B

7. उदयपुर - राजसमंद क्षेत्र का सर्वोच्च शिखर है?
   A. जरगा B. कुम्भलगढ़
   C. लीलगढ़ D. नागराणी
   उत्तर - A

8. तोराबाटी की पहाड़ियाँ मुख्यतः किस क्षेत्र में विस्तृत है?
   A. शेखावाटी B. मध्य अरावली
   C. आबू D. अजमेर
   उत्तर – A

9. अरावली की निम्नलिखित पर्वत शिखरों को ऊँचाई के सही अवरोही क्रम है?
   A. कुम्भलगढ़ - जरगा - रघुनाथगढ़ - अचलगढ़
   B. जरगा - अचलगढ़ - कुम्भलगढ़ - रघुनाथगढ़
   C. अचलगढ़ - कुम्भलगढ़ - रघुनाथगढ़ - जरगा
   D. रघुनाथगढ़ - कुम्भलगढ़ - अचलगढ़ - जरगा
   उत्तर - A

10. शेखावाटी क्षेत्र में स्थानीय भाषा में कुँए को क्या कहते हैं?
   A. बावड़ी B. बेरा
   C. जोहड़ D. खूँ
   उत्तर - C

(ब) राजस्थान में मीठे पानी की झीलें –

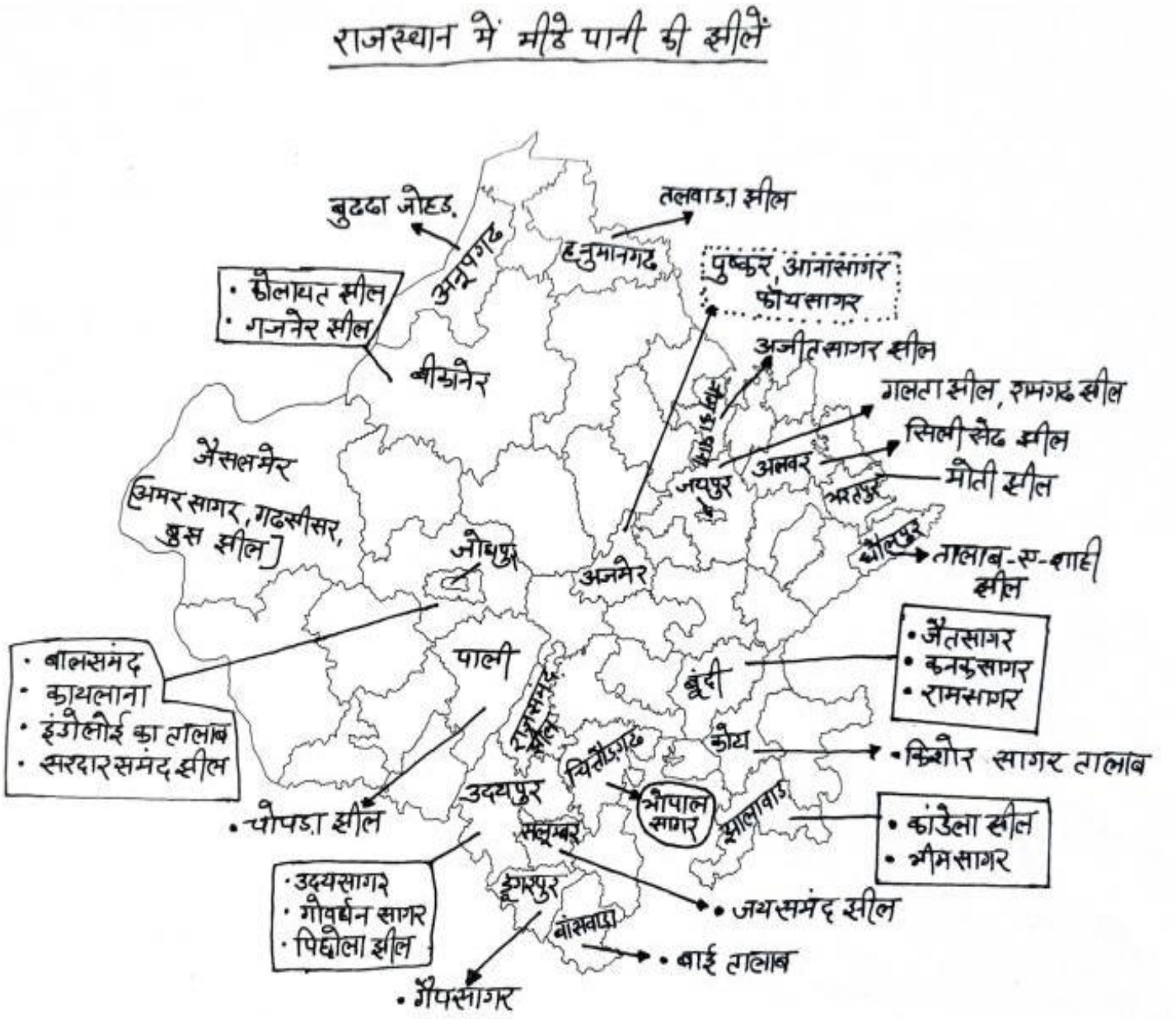

I. पुष्कर झील –

- राजस्थान राज्य के ***अजमेर जिले के पुष्कर नामक स्थान पर*** (अजमेर शहर से ।। किलो मीटर दूर) स्थित पुष्कर झील एक प्रसिद्ध झील है।
- ऐसा माना जाता है कि इस झील ***का निर्माण पुष्करणा ब्राह्मणों द्वारा*** करवाया गया था इसलिए इस झील का नाम "पुष्कर झील" पड़ा, ***लेकिन भौगोलिक मान्यताओं के अनुसार इस झील का निर्माण ज्वालामुखी से हुआ है इसलिए इसे क्रेटर झील भी कहा जाता है।***
- ***यह राजस्थान की प्राचीन, प्राकृतिक एवं सबसे पवित्र झील है।***
- ***इस झील के किनारे प्रसिद्ध ब्रह्माजी का मंदिर स्थित है*** ऐसा माना जाता है कि ब्रह्माजी मंदिर में मूर्ति आद्यगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित की गई थी । इस मंदिर का निर्माण दसवीं सदी में पंडित गोकुल चंद पारीक ने करवाया था। ***(नोट :- राजस्थान के बाड़मेर जिले में आसोतरा नामक स्थान पर एक अन्य ब्रह्माजी का मंदिर है।)***
- ***इस झील को अन्य नामों*** से भी जाना जाता है, जैसे – ***कोंकण तीर्थ, तीर्थ स्थलों का मामा*** 52 घाट मंदिरों की नगरी, प्रयागराज का गुरु, हिन्दुओं का पांचवा तीर्थ स्थल इत्यादि।
- इस झील के किनारे कार्तिक मास की पूर्णिमा को मेला लगता है । यह मेला राजस्थान का सबसे बड़ा रंगीन मेला है जो प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा को विशाल मेले के रूप में आयोजित किया जाता है। यह मेला राजस्थान में आय की दृष्टि से सबसे बड़ा मेला है।
- महाभारत के बाद पांडवों ने यहाँ स्नान किया था तथा कौरव व पांडवों का मिलन भी इसी झील के तट पर हुआ था।
- प्राचीन काल में विश्वामित्र ने इसी झील के किनारे तपस्या की थी।
- वेदव्यास जी ने महाभारत की रचना एवं वेदों का संहिताकरण इसी झील के किनारे किया था।
- भगवान राम ने अपने पिता दशरथ का पिंडदान इसी झील में किया था।

- पुष्कर झील में कुल 52 घाट हैं इसलिए इसे बावन घाटा के नाम से भी जाना जाता है इसमें एक महिला घाट भी है जो महिलाओं के स्नान के लिए बनवाया गया था जिसका निर्माण 1911 ई. में मैडम मैरी के द्वारा करवाया गया था। इस घाट को गाँधी घाट के नाम से जाना जाता है।
- **इस झील के तट पर प्रसिद्ध वराह मंदिर है जिसका निर्माण आनाजी (अर्णोराज) के द्वारा** करवाया गया था।
- इसी झील के तट पर द्रविड़ शैली में निर्मित रंगाजी रंगनाथ जी बैकुंठ मंदिर है।
- इसी झील के समीप रत्नागिरी पर्वत पर सावित्री मंदिर भी स्थित है।
- **कालिदास ने अपने ग्रंथ "अभिज्ञान शाकुंतलम्" की रचना इसी झील के तट पर** की थी।
- **महात्मा गांधी की अस्थियां इसी झील में** प्रवाहित की गई थी इसीलिए इस झील को "**गांधी घाट**" के नाम से भी जाना जाता है।
- इसी झील के समीप आमेर के मानसिंह प्रथम द्वारा निर्मित मान पैलेस है वर्तमान में यहाँ मान पैलस होटल का संचालन किया जा रहा है।
- इस झील के आस-पास छोटे-बड़े लगभग 400 मंदिर स्थित हैं इस कारण **पुष्कर झील को मंदिरों की नगरी**" भी कहा जाता है।
- इस झील को सर्वाधिक हानि पहुंचाने वाला मुगल बादशाह औरंगजेब था।
- सन् 1705 ईस्वी में गुरु गोविंद सिंह इस झील के किनारे गुरु गोविंद साहब का पाठ किया था तथा सन् 1809 में इस झील का पुर्नद्वार मराठों के द्वारा करवाया गया था।
- 1997-98 ई. में कनाडा के सहयोग से यहाँ सफाई कार्य करवाया गया।
- **पुष्कर के पंचकुण्ड को "मृगवन" घोषित किया गया है।**

2. जयसमंद झील -

- राज्य के **सलूम्बर** जिले में स्थित **जयसमंद झील को ढेबर झील** के नाम से भी जाना जाता है।
- **इस झील का निर्माण गौतमी नदी, झामरी नदी तथा बगार नदी का पानी रोक कर मेवाड़ के राजा जयसिंह के द्वारा** 1685 - 91 में करवाया गया था।
- **यह झील एशिया की दूसरी तथा राजस्थान की प्रथम मीठे पानी की सबसे बड़ी, कृत्रिम झील है।**
- **इस झील पर छोटे-बड़े कुल 7 टापू स्थित है** जिन पर भील तथा मीणा जनजाति के लोग निवास करते हैं इनमें से **सबसे बड़ा टापू "बाबा का भांगड़ा" है जबकि सबसे छोटा टापू "प्यारी" है।**
- इस झील के एक टापू का नाम "**बाबा का मगरा**" भी है, जिस पर वर्तमान में एक होटल संचालित किया जा रहा है इस होटल का नाम आइसलैंड रिसोर्ट है।
- **इस झील से सिंचाई के लिए दो नहरे निकलती हैं - इनमें से एक का नाम श्यामपुरा और दूसरी भाट है इन दोनों** नेहरों की कुल लंबाई 324 किलो मीटर है।
- इस झील की लंबाई 15 किलो मीटर तथा चौड़ाई अधिकतम 8 किलोमीटरहै।
- इस झील में 6 कलात्मक छतरियां एवं प्रसाद बने हुए हैं।
- जयसमंद झील से उदयपुर जिले को पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।
- **इस झील के तट पर नर्मदेश्वर शिवालय, चित्रित हवा महल तथा रूठी रानी क महल स्थित** है।

3. राजसमंद झील -

- राजसमन्द जिले में स्थित इस झील का **निर्माण मेवाड़ के राजा राजसिंह के द्वारा गोमती नदी का पानी रोक कर** सन् 1662 से 1680 के बीच में करवाया गया था। इस झील की कुल लंबाई लगभग 6.5 किलोमीटर तथा चौड़ाई लगभग 3 किलोमीटर है।
- यह राज्य में एकमात्र ऐसी झील है, जिसका नामकरण किसी जिले के नाम पर हुआ है।
- राजसमंद झील राज्य की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की कृत्रिम झील है।
- **राजसमंद झील के तट पर एशिया की सबसे बड़ी प्रशस्ति "राज प्रशस्ति" 25 बड़े शिलालेखों पर उत्कीर्ण है। राज प्रशस्ति की रचना राजा "राजसिंह" के दरबारी कवि रणछोड़भट्ट तैलंग के द्वारा की गई थी** । संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण इस प्रशस्ति पर **1017 श्लोक उत्कीर्ण** है।
- राजसमंद झील के तट पर प्रसिद्ध द्वारकाधीश का मंदिर है यहीं पर वल्लभ संप्रदाय की पीठ भी स्थित है। यहाँ पर एक प्रसिद्ध त्यौहार मनाया जाता है जिसको "अन्नकूट महोत्सव" के नाम से जानते हैं।
- राजसमंद झील के तट पर "बिना पति के सती होने वाली **घेवर माता का मंदिर**" स्थित है।
- इस झील को एक अन्य नाम "राजसमुद्र" के नाम से भी जानते हैं।
- इस झील को राज्य सरकार ने धार्मिक दृष्टि से पुष्कर की तरह पवित्र घोषित किया है अर्थात् राज्य सरकार ने इस झील को सबसे पवित्र झील घोषित किया है।

4. पिछोला झील -

- राज्य के **उदयपुर जिले में स्थित** पिछोला झील का निर्माण सन् 1387 में **राणा लाख के काल में एक पिच्छू / छित्र नामक चिड़ीमार बंजारे ने अपने बैल की स्मृति (याद)** में करवाया था। यह झील उदयपुर की सबसे प्राचीन तथा सबसे सुंदर झील है
- सन् 1525 ईस्वी में **राणा सांगा ने पिछोला झील का जीर्णोद्धार करवाया** था इस झील को पक्का कराने का श्रेय राजा उदयसिंह को जाता है।
- **पिछोला झील के तट पर एक जग मंदिर** स्थित है। इस मंदिर का निर्माण कार्य 1551 में महाराणा अमर सिंह ने शुरू करवाया था तथा महाराणा करण सिंह (1620-1628) तक ने इसका कार्य जारी रखा, और इसका पूर्ण कार्य महाराणा जगतसिंह ने (1628-1652) में करवाया था।

- 1857 की क्रांति के समय अंग्रेजों ने इसी झील के किनारे शरण ली थी तथा खुर्रम शाहजहाँ ने भी अपने विद्रोही दिनों में यहाँ पर शरण ली थी।
- **इस झील के तट पर जगनिवास स्थित है** जिसका निर्माण 1746 में मेवाड़ के तत्कालीन शासक **जगतसिंह द्वितीय के द्वारा** करवाया गया था। इसी जगनिवास महल को देखकर ही शाहजहाँ को ताजमहल बनाने की प्रेरणा मिली थी।
- यहाँ पर एक बीजारी नामक स्थान पर **गलनी / नटनी नामक चबूतरा स्थित है पिछोला झील के तट पर अमरचंद बंडवा द्वारा निर्मित बागोर की हवेली स्थित हैं जहाँ पर विश्व की सबसे बड़ी पगड़ी रखी हुई है।**
- पिछोला झील में भारत की सबसे पहली सौर ऊर्जा चलित नाव चलाई गई थी।
- पिछोला झील के तट पर महाराणा प्रताप ने मानसिंह प्रथम के लिए रात्रिभोज का आयोजन भी करवाया था।
- **पिछोला झील के तट पर उदयसिंह के द्वारा निर्मित राजमहल सिटी पैलेस स्थित है।** इतिहासकार फर्ग्युसन ने उदयपुर में स्थित राजमहलों की तुलना लंदन में स्थित विंडसर महलों से की है।

5. फतेहसागर झील -

- राज्य के **उदयपुर जिले में स्थित पिछोला झील के समीप देवाली नामक गाँव में स्थित** फतेहसागर झील का निर्माण 1678 ईस्वी में **ड्यूक ऑफ कनॉट के द्वारा** करवाया गया था इस कारण **इस झील को "कनॉट बाँध"** भी कहा जाता है।
- इस झील का **पुनरुद्धार** सन् 1888 में **महाराणा फतेहसिंह** के द्वारा करवाया गया था । इसलिए **इस झील को फतेहसागर झील के नाम से भी जानते हैं इस झील के समीप "मोती का मगरी" नामक पहाड़ी पर महाराणा प्रताप का स्मारक बना हुआ है।**
- इस झील में एक टापू है जिस पर नेहरू उद्यान स्थित है।
- इस झील के तट पर उदयसिंह के द्वारा उदयपुर की स्थापना से पहले निर्मित **एक मोती महल** की स्थापना की गई थी ।
- **इस झील में एक सौर वेधशाला की भी स्थापना की गई थीं**
- मौसम की सटीक गति विधियों का पता लगाने हेतु इस झील के तट पर एक टेलीस्कोप स्थापित किया गया । जिसका निर्माण बेल्जियम के द्वारा किया गया था।
- यह झील पिछोला झील से जुड़ी हुई है।

6. नक्की झील -

- राजस्थान राज्य के **सिरोही जिले में माउंट आबू स्थित पर "नक्की झील" राजस्थान की सर्वाधिक ऊंची तथा सबसे गहरी झील है।**
- इस झील का **निर्माण ज्वालामुखी उद्भेदन से** अर्थात् प्राकृतिक रूप से हुआ है अतः यह एक **क्रेटर झील** है, लेकिन पौराणिक मान्यता के अनुसार इस झील का **निर्माण देवताओं ने अपने नाखूनों से खोदकर किया था इसीलिए इस को नक्की झील कहा जाता है।**
- यह झील पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है इस झील में एक टापू है जिस पर रघुनाथ जी का मंदिर बना हुआ है, इसके अलावा **इनके एक तरफ मेंढक जैसी चट्टानें बनी हुई है जिसे टॉड-रॉक कहा जाता है।**
- एक चट्टान की आकृति महिला के समान (घूंघट निकाले स्त्री के समान) है इसे **"नन रॉक"** कहा जाता है । एक आकृति लड़का - लड़की जैसी है जिसे "कपल रॉक " कहा जाता है इस झील के किनारे "सन् सेट पॉइंट तथा हनीमून प्वाइंट" स्थित है।
- इस झील के किनारे की पहाड़ियों के बीच में रामकुंड के नीचे 16 वीं शताब्दी का रघुनाथ जी का मंदिर स्थित है। इसके अलावा हाथी गुफा, चंपा गुफा, राम झरोखा, अन्य दर्शनीय स्थल है।
- **यह झील गरासिया जनजाति का आध्यात्मिक केंद्र है।**
- इसके समीप ही "अबुना देवी" का मंदिर स्थित है अतः इस पर्वत को आबू पर्वत कहा जाता है।

7. आनासागर झील

- राज्य के **अजमेर जिले में स्थित आना सागर** झील का निर्माण 1137 ईस्वी में **अर्णोराज** (आनाजी) के द्वारा करवाया गया था ।
- ऐसा माना जाता है कि तुर्की की सेना में हुए नरसंहार के बाद खून से रंगी हुई धरती को साफ करने के लिए इस झील का निर्माण करवाया गया था।
- आना सागर झील के तट पर जहाँगीर द्वारा निर्मित एक **दौलत बाग** है **जिसे वर्तमान में 'सुभाष उद्यान"** कहा जाता है ।
- सुभाष उद्यान नामक स्थान पर जहाँगीर ने सर्वप्रथम सर टॉमस रो जो कि एक अंग्रेज था उससे वार्तालाप किया था तथा नूरजहाँ की मां अस्मत बेगम द्वारा गुलाब से इत्र बनाने की विधि का आविष्कार भी यही सुभाष उद्यान से किया गया था।
- जहाँगीर द्वारा निर्मित 'चश्माए नूर" नामक झरना यहीं पर स्थित है जिसमें वर्तमान में कुछ भी उपलब्ध नहीं है केवल खंडहर मात्र उपलब्ध है।
- **रूठी रानी का महल तथा जहाँगीर की बेगम नूरजहाँ का महल यहीं पर स्थित है ।**
- आना सागर झील के तट पर 1627 में मुगल **शासक शाहजहाँ ने पाँच बारहदरी का निर्माण किया था।**

8. कोलायत झील-

- इस झील का निर्माण राज्य के **बीकानेर** जिले में किया गया। **इस झील को "शुष्क उद्यान" भी कहा जाता है।**
- झील के **तट पर कपिल मुनि का आश्रम** स्थित है । ऐसा माना जाता है कि कपिल मुनि ने अपनी माता की मुक्ति के लिए यहाँ पाताल गंगा निकाली थी इस कारण इसमें स्नान करने का महत्त्व गंगा में स्नान के बराबर माना जाता है।

अध्याय – 2

मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद्

- मुख्यमंत्री किसी राज्य की कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होता है। वह राज्य विधानसभा का नेता होता है। राज्य की सर्वोच्च कार्यपालिका शक्ति मुख्यमंत्री के हाथों में है। वह राज्य का वास्तविक शासक/तथ्यत प्रमुख / डी-फैक्टो हेड होता है।
- मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा संविधान के **अनुच्छेद 164 (1)** के तहत की जाती है।
- सामान्यत , राज्यपाल बहुमत प्राप्त दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। लेकिन यदि चुनावों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ है , उस स्थिति में राज्यपाल स्वविवेक से मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। उसे एक माह के भीतर सदन में विश्वास मत प्राप्त करने के लिए कहता है।

  राज्यपाल स्वविवेक द्वारा मुख्यमंत्री की नियुक्ति ऐसे समय पर करता है जब कार्यकाल के दौरान किसी मुख्यमंत्री की मृत्यु हो जाए और कोई उत्तराधिकारी तय नहीं हो या चुनावों में किसी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ हो।

  NOTE- केन्द्र शासित प्रदेशों में (जहाँ विधानसभा है) मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति , राष्ट्रपति करता है। वर्तमान में भारत के तीन केन्द्र शासित प्रदेशों क्रमशः पुदुच्चेरी, दिल्ली और जम्मू- कश्मीर में विधानसभाओं का प्रावधान है।
- **अनुच्छेद 164 (3)** मुख्यमंत्री व मंत्रियों को शपथ राज्यपाल दिलाता है। राज्य का मुख्यमंत्री कार्यग्रहण से पूर्व राज्यपाल के समक्ष पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण करता है। मुख्यमंत्री व मंत्रियों की शपथ का प्रारूप **भारतीय संविधान की अनुसूची 3** में मिलता है।

  अनुच्छेद 164 (4) मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों की योग्यता भारतीय संविधान में मुख्यमंत्री पद के लिए योग्यताएँ आवश्यक है जो एक मंत्री पद के लिए होती है। जैसे– (1) न्यूनतम आयु 25 वर्ष हो। (2) राज्य विधानमण्डल के दोनों में से किसी एक सदन का सदस्य हो।

  NOTE- यदि मुख्यमंत्री विधानमण्डल के किसी भी सदन का सदस्य न भी हो तो 6 माह तक मुख्यमंत्री रह सकता है। 6 माह के भीतर उसे विधानमण्डल के किसी एक सदन की सदस्यता ग्रहण करनी पड़ती है अन्यथा त्यागपत्र देना पड़ता है। मुख्यमंत्री सामान्यतः विधानमण्डल के निम्न सदन (विधान सभा) का सदस्य होता है, लेकिन उच्च सदन (विधान परिषद्) के सदस्य को भी मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है यदि उस राज्य में द्विसदनात्मक विधान मण्डल है तो।

  NOTE- यदि मुख्यमंत्री विधानपरिषद् का सदस्य है तो वह

  (i) राष्ट्रपति के चुनाव में भाग नहीं ले सकता।

  (ii) वह अविश्वास प्रस्ताव पर वोट नहीं कर सकता है क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव विधानसभा में लाया जाता है।
- **अनुच्छेद 164 (5)** मुख्यमंत्री के वेतन एवं भत्तों व कार्यकाल मुख्यमंत्री के वेतन एवं भत्तों का निर्धारण राज्य विधानमण्डल द्वारा किया जाता है। वर्तमान में राजस्थान के मुख्यमंत्री को 75,000 रु प्रतिमाह वेतन मिलता है। (1 अप्रेल , 2019 के बाद) स्मरणीय तथ्य : मुख्यमंत्री का कार्यकाल 5 वर्ष होता है , परन्तु वह राज्यपाल के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है। अर्थात जब तक कि उसका विधानसभा में बहुमत है। लेकिन यदि मुख्यमंत्री विधानसभा में अपना बहुमत खो देता है तो उसे त्यागपत्र दे देना चाहिए अन्यथा राज्यपाल उसे बर्खास्त कर सकता है। मुख्यमंत्री अपना त्यागपत्र राज्यपाल को देता है। और मुख्यमंत्री का त्यागपत्र समस्त मंत्रिपरिषद् का त्यागपत्र माना जाता है।

  अनुच्छेद 164 (2) - राज्य की मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

मुख्यमंत्री के कार्य एवं शक्तियाँ

मंत्रिपरिषद् के संबंध में

- मुख्यमंत्री की सलाह से राज्यपाल द्वारा मंत्रियों की नियुक्ति की जाती है।
- मुख्यमंत्री , मंत्रियों के मध्य विभागों का बंटवारा करता है और उनमें फेरबदल भी करता है। मतभेद होने पर वह किसी भी मंत्री को त्यागपत्र देने के लिए कह सकता है या राज्यपाल को उसे बर्खास्त करने का परामर्श दे सकता है।
- मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद् एवं मंत्रिमण्डल की बैठकों की अध्यक्षता करता है।

NOTE- मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में सबसे वरिष्ठ मंत्री मंत्रिमण्डल की अध्यक्षता करता है।

- वह सभी मंत्रियों को उनके कार्यों में परामर्श देता है तथा उनके कार्यों पर नियंत्रण भी रखता है।
- मुख्यमंत्री , राज्यपाल और मंत्रिपरिषद् के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करता है।

अनुच्छेद 164 (1) क - इस अनुच्छेद को 91 वें संविधान संशोधन 2003 द्वारा जोड़ा गया। इसमें राज्य मंत्रिपरिषद् का आकार निश्चित किया गया। राज्य मंत्रिपरिषद् में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम मंत्री उस राज्य की कुल विधानसभा सीटों का 15 % तथा मुख्यमंत्री सहित न्यूनतम मंत्री 12 होंगे।

राज्यपाल के संदर्भ में

अनुच्छेद 167- इसमें मुख्यमंत्री के संवैधानिक कर्त्तव्यों का उल्लेख मिलता है।

(i) वह मंत्रिपरिषद् द्वारा राज्य के प्रशासन से संबंधित मामलों के लिए सभी निर्णयों तथा विधायन के प्रस्तावों के बारे में राज्यपाल को सूचित करें।

(ii) राज्यपाल द्वारा राज्य के प्रशासन से संबंधित मामलों अथवा विधायन प्रस्तावों के बारे में माँगे जाने पर सूचना प्रदान करना।

- राजस्थान के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री जो उपराष्ट्रपति भी बने।
- राजस्थान में तीसरा (वर्ष 1980) व चौथा (वर्ष 1992) राष्ट्रपति शासन इन्हीं के समय लगा।
- यह मुख्यमंत्री बनने से पूर्व किसी मंत्रिपरिषद् में मंत्री नहीं रहे।
- यह तीन बार राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे।

अशोक गहलोत

- 1 दिसम्बर, 1998 को राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।
- 13 दिसम्बर, 2008 को उन्हें दूसरी बार राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला।
- वर्तमान (वर्ष 2018 से) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पद के अनुसार 22वें तथा व्यक्ति के अनुसार 11वें निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं। यदि मनोनीत को भी शामिल करे तो पद के अनुसार 25वें तथा व्यक्ति के अनुसार 13वें मुख्यमंत्री हैं।
- यह वर्तमान में जोधपुर की सरदारपुरा सीट से निर्वाचित हुए हैं।
- अशोक गहलोत ऐसे मुख्यमंत्री रहे जिनके कार्यकाल में दो उप-मुख्यमंत्री रहे (1) बनवारी लाल बैरवा (2) कमला बेनीवाल

उपमुख्यमंत्री

यह एक गैर - संवैधानिक पद है। यह एक परम्परा के तौर पर किसी राजनीतिक दल को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से सृजित किया जाता है।

उपमुख्यमंत्री	मुख्यमंत्री	वर्ष
टीकाराम पालीवाल	जयनारायण व्यास	1952-1954
हरिशंकर भाभड़ा	भैरोसिंह शेखावत	1994-1998
बनवारी लाल बैरवा	अशोक गहलोत	2003
कमला बेनीवाल	अशोक गहलोत	2003
सचिन पायलट	अशोक गहलोत	2018
दिया कुमारी	भजनलाल शर्मा	2023
प्रेम चंद बैरवा	भजनलाल शर्मा	2023

वसुन्धरा राजे

- वसुन्धरा राजे 8 दिसम्बर, 2003 को राजस्थान की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनी।
- इसके बाद 13 दिसम्बर, 2013 को उन्हें दूसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला।
- यह दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रही यह पांच बार विधायक व 5 बार लोकसभा सांसद बनी।
- श्रीमती वसुंधरा राजे राजस्थान से सर्वाधिक बार लोकसभा सांसद बनने वाली महिला हैं।
- वसुंधरा राजे राजस्थान विधानसभा में विपक्ष की नेता भी रही हैं।

भजनलाल शर्मा

- भजन लाल शर्मा (जन्म 15 दिसंबर 1967) वर्तमान में दिसंबर 2023 से राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं।
- वह 16वीं राजस्थान विधान सभा के सदस्य हैं और सांगानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- वह लगातार चौथी बार भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के महासचिव के रूप में कार्यरत हैं।
- 12 दिसंबर 2023 को, पहली बार विधायक बने, उन्हें भारतीय जनता पार्टी द्वारा दो डिप्टी सीएम, दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा के साथ राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था।

NOTE :- राजस्थान के तीन ऐसे मुख्यमंत्री जो विपक्ष / प्रतिपक्ष के नेता भी रहे :- (1) भैरोंसिंह शेखावत (तीन बार) (2) हरिदेव जोशी (एक बार) (3) वसुंधरा राजे (एक बार)

Q. निम्नांकित में से कौन से मुख्यमंत्री राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर नहीं रहे हैं।

(A) हरिदेव जोशी (B) शिवचरण माथुर
(C) अशोक गेहलोत (D) वसुंधरा राजे
सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से, कीजिए:
कूट:
(1) (A), (B) और (C) (2) (B) और (C)
(3) (C) और (D) (4) (A) और (D)
उत्तर - (2)

राजस्थान के मुख्यमंत्री

क्र.	मुख्यमंत्री	कार्यकाल
1.	श्री हीरालाल शास्त्री	07.04.1949 - 05.01.1951
2.	श्री सी.एस. वैंकटाचार्य	06.01.1951 - 25.04.1951
3.	श्री जयनारायण व्यास	26.04.1951 - 03.03.1952
4.	श्री टीकाराम पालीवाल	03.03.1952 - 31.10.1952
5.	श्री जयनारायणव्यास	01.11.1952 - 12.11.1954
6.	श्री मोहनलाल सुखाड़िया	13.11.1954 - 11.04.1957
7.	श्री मोहनलाल सुखाड़िया	11.04.1957 - 11.03.1962

8.	श्री मोहनलाल सुखाड़िया	12.03.1962 - 13.03.1967
9.	राष्ट्रपति शासन	13.03.1967- 26.04.1967
10.	श्री मोहनलाल सुखाड़िया	26.04.1967-09.07.1971
11.	श्री बरकतुल्लाखां	09.07.1971- 11.10.1973
12.	श्री हरि देव जोशी	11.10.1973 - 29.04.1977
13.	राष्ट्रपति शासन	30.04.1977- 21.06.1977
14.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	22.06.1977 - 16.02.1980
15.	राष्ट्रपति शासन	17.02.1980 - 05.06.1980
16.	श्री जगन्नाथ पहाडिया	06.06.1980- 13.07.1981
17.	श्री शिवचरण माथुर	14.07.1981- 23.02.1985
18.	श्री हीरालाल देवपुरा	23.02.1985 - 10.03.1985
19.	श्री हरि देव जोशी	10.03.1985 - 20.01.1988
20.	श्री शिव चरण माथुर	20.01.1988- 04.12.1989
21.	श्री हरि देव जोशी	04.12.1989- 04.03.1990
22.	श्री भैरों सिंह शेखावत	04.03.1990 - 15.12.1992
23.	राष्ट्रपति शासन	15.12.1992 - 03.12.1993
24.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	04.12.1993 - 01.12.1998
25.	श्री अशोक गहलोत	01.12.1998 - 08.12.2003
26.	श्रीमती वसुन्धरा राजे	08.12.2003- 13.12.2008
27.	श्री अशोक गहलोत	13.12.2008 - 13.12.2013
28.	श्रीमती वसुन्धरा राजे	13.12.2013 -17.12.2018
29.	श्री अशोक गहलोत	17.12.2018 – दिसंबर 2023
30.	श्री भजनलाल शर्मा	15.12.2023 – लगातार

महत्वपूर्ण तथ्य-

प्रश्नः- 25 मार्च, 1948 को गठित संयुक्त राजस्थान का मुख्य मंत्री बनाया गया था ?

(1) जय नारायण व्यास
(2) गोकुल लाल असावा
(3) गोकुल भाई भट्ट
(4) हीरालाल शास्त्री
उत्तर- (2)

- राजस्थान के प्रथम मनोनीत मुख्यमंत्री- ***हीरालाल शास्त्री***
- राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री- ***टीकाराम पालीवाल***
- राजस्थान के प्रथम उपमुख्यमंत्री- ***टीकाराम पालीवाल***
- एकमात्र व्यक्ति जो राजस्थान के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री दोनों पदों पर रहे- ***टीकाराम पालीवाल***
- राजस्थान के एकमात्र मुख्यमंत्री जो कि मनोनीत व निर्वाचित हुए- ***जयनारायण व्यास***
- राजस्थान में सर्वाधिक कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री- ***मोहनलाल सुखाड़िया***
- राजस्थान में न्यूनतम कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री- ***हीरालाल देवपुरा***
- राजस्थान के सबसे युवा मुख्यमंत्री- ***मोहनलाल सुखाड़िया***
- राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री जिनकी पद पर रहते हुए मृत्यु हुई- ***बरकतुल्ला खां***
- राजस्थान के प्रथम मुस्लिम (अल्पसंख्यक) मुख्यमंत्री- ***बरकतुल्ला खां***
- राजस्थान के प्रथम दलित मुख्यमंत्री (अनुसूचित जाति के)- ***जगन्नाथ पहाडिया***
- राजस्थान के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री जो उपराष्ट्रपति भी बने – ***भैरोसिंह शेखावत***
- राजस्थान के एकमात्र मुख्यमंत्री जो विधानसभा अध्यक्ष भी रहे- ***हीरालाल देवपुरा***
- राजस्थान के एकमात्र मुख्यमंत्री जो राज्य वित्त आयोग (दूसरा) के अध्यक्ष भी बने- ***हीरालाल देवपुरा***

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

अध्याय – I

राजस्थान की खाद्य व व्यावसायिक फसलें, कृषि आधारित उद्योग

कृषि

कृषि परिदृश्य :- राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की गतिविधियों में प्राथमिक रूप से फसल, पशुधन, वानिकी एवं मत्स्य सम्मिलित हैं। जीविकोपार्जन हेतु अधिकांश जनसंख्या कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियों पर निर्भर रहती है। राजस्थान में कृषि मूलतः वर्षा पर आधारित है। राज्य में मानसून की अवधि कम है। राज्य में मानसून अन्य राज्यों की तुलना में विलम्ब से आता है एवं जल्दी ही वापसी हो जाती है। वर्षा की अवधि में भी उतार-चढ़ाव रहता है, जो अपर्याप्त, कम एवं अनिश्चित रहती है। राज्य में भूमिगत जल स्तर तेजी से गिरता जा रहा है। इसके बावजूद कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है एवं सकल राज्य घरेलू उत्पाद में इसका प्रमुख योगदान है। कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धन (जी.एस.वी.ए.) स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वर्ष 2018-19 में ₹1.57 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2022-23 में ₹2.09 लाख करोड़ हो गया, जो कि 7.48 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि (सी.ए. जी.आर.) दर्शाता है, जबकि प्रचलित मूल्यों पर कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धन (जी.एस.वी.ए.) वर्ष 2018-19 में ₹2.22 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2022-23 में ₹3.79 लाख करोड़ हो गया, जो कि 14.33 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि (सी.ए.जी.आर.) दर्शाता है।

विभिन्न कृषि फसलों में राजस्थान का स्थान

क्र.स.	फसल	स्थानST I	स्थानnd II	rd III	राजस्थान का देश के कुल उत्पादन में योगदान (% में)
1.	बाजरा	राजस्थान	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	41.71
2.	सरसों	राजस्थान	मध्य प्रदेश	हरियाणा	44.57
3.	पोषक अनाज	राजस्थान	कर्नाटक	महाराष्ट्र	16.30
4.	कुल तिलहन	राजस्थान	महाराष्ट्र	मध्य प्रदेश	22.00
5.	कुल दलहन	मध्य प्रदेश	राजस्थान	महाराष्ट्र	16.75
6.	मूंगफली	गुजरात	राजस्थान	तमिलनाडु	18.91
7.	चना	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	19.87
8.	ज्वार	महाराष्ट्र	कर्नाटक	राजस्थान	12.35
9.	सोयाबीन	महाराष्ट्र	मध्य प्रदेश	राजस्थान	8.49
10.	गवार	राजस्थान	-	-	84.60

राजस्थान के जी.एस.वी.ए. में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र का योगदान और इसके उप क्षेत्रों की संरचना :-

- राजस्थान के सकल राज्य मूल्य वर्धन (जी.एस.वी.ए.) में प्रचलित मूल्यों पर वर्ष 2011-12 में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र का योगदान 28.56 प्रतिशत था, जो कि बढकर वर्ष 2022-23 में 28.95 प्रतिशत हो गया। कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र के उप क्षेत्रों में फसल, पशुधन, मत्स्य तथा वानिकी एवं लॉगिंग है। वर्ष 2022-23 में फसल क्षेत्र का अंश 46.00 प्रतिशत, पशुधन क्षेत्र का अंश 46.41 प्रतिशत, वानिकी क्षेत्र का अंश 7.20 प्रतिशत और मत्स्य क्षेत्र का अंश 0.39 प्रतिशत है।

अध्याय – 2

अर्थव्यवस्था का वृहत् परिदृश्य

1. **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDA)** - बिना दोहरी गणना के निश्चित समय अवधि में उत्पादित सभी वस्तुओं एवं सेवाओं का मौद्रिक मूल्य ही (GSDA) कहलाता है।
   इसकी गणना दो आधार पर की जाती है।
   1. सांकेतिक प्रचलित मूल्य पर
   2. स्थिर मूल्य पर

- सांकेतिक मूल्यों पर राजस्थान की GSDA 7.99 लाख करोड़ है जबकि प्रचलित मूल्य पर 14.14 लाख करोड़ है।
- इसमें सांकेतिक मूल्यों पर 8.19 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई जबकि स्थिर मूल्यों पर 16.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

1. **शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद (NSDA)** - सकल घरेलू उत्पाद में से स्थाई पूंजीगत उपयोग को घटाकर शुद्ध घरेलू राज्य उत्पाद का अनुमान प्राप्त किया जाता है।

- स्थिर मूल्यों पर राजस्थान की NSDP 6. 95 लाख करोड़ है जबकि प्रचलित मूल्य पर राजस्थान NSDP की 12.60 लाख करोड़ रुपये है।
- इसमें स्थिर मूल्यों पर 8.11 प्रतिशत तथा प्रचलित मूल्यों पर 16.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

2. **GSVA** - सकल राज्य घरेलू उत्पाद में से TAX तथा Subsidies को घटाने पर राज्य का GSVA प्राप्त होता है तथा इसका प्रयोग क्षेत्र के अनुसार योगदान प्राप्त करने में किया जाता है। राज्य का स्थिर कीमतों पर GSVA तथा इसमें वृद्धि निम्न प्रकार है।

3. **TOTAL GSVA**
   स्थिर कीमतों पर – 7.33 लाख करोड़

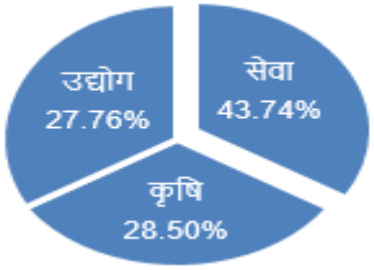

- कृषि – 5.52% की वृद्धि
- सेवा – 10.74% की वृद्धि
- उद्योग – 6.32% की वृद्धि
- राज्य का प्रचलित कीमतों पर GSVA तथा इसमें वृद्धि निम्न प्रकार है।
- प्रचलित कीमतों पर 13.11 लाख करोड़

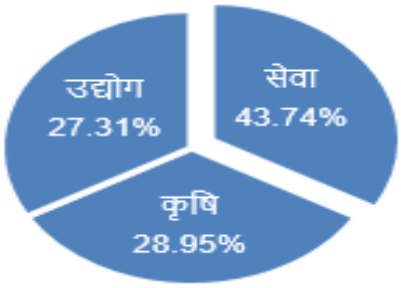

- कृषि – 18.11% की वृद्धि
- सेवा – 53.41% की वृद्धि
- उद्योग – 28.48% की वृद्धि

4. **प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income)** - शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद को राज्य की मध्यवर्षीय कुल जनसंख्या से विभाजित करके प्राप्त की जाती है।

- राजस्थान की प्रतिव्यक्ति आय स्थिर मूल्यों पर 86134 रुपये है जबकि प्रचलित मूल्य पर प्रति व्यक्ति आय 156149 रुपये है जिसमें स्थिर मूल्य पर 6.94 प्रतिशत तथा प्रचलित मूल्य पर 14.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

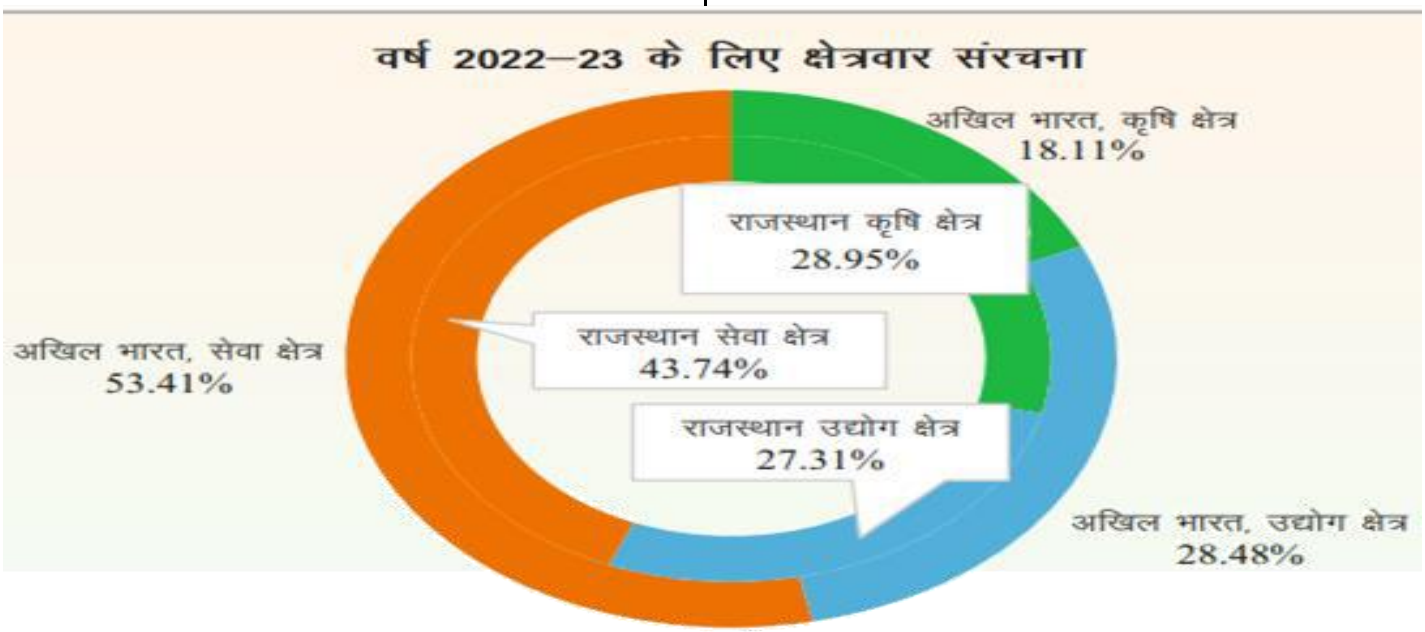

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - ⬇ (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न, 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न, 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न, 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

whatsapp - https://wa.link/29dvxg 1 web.- https://rb.gy/8kw806

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
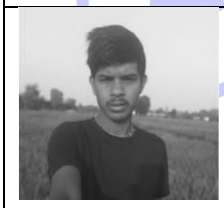	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
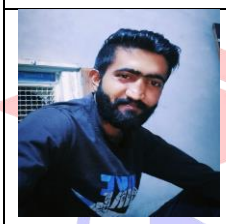	**Govinda Jangir**	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
	Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel	Rac batalian	729141135	Dis.- Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota
	Sanjay	Haryana PCS	96379	Jind (Haryana)

And many others.....

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

WhatsApp करें - https://wa.link/29dvxg

Online Order करें - https://rb.gy/8kw806

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE